दबंगई | 20 साल पुराने टपरे को उखाड़कर विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी, पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

मीसाबंदी के पुत्र की दुकान सड़क पर फेंककर दी धमकी

मझौली, नवभारत, जबलपुर। थाना मझौली अंतर्गत थाने रोड पर बीते 20 वर्षों से दुकान चलाकर अपने परिवार का जीविकोपार्जन कर रहे एक वृद्ध एवं असहाय व्यवसायी का टपरा उखाड़कर सड़क पर फेंकने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित व्यवसायी का आरोप है कि दबंग अनावेदकों ने एकराय होकर न केवल उनकी आजीविका के साधन को नष्ट कर दिया, बल्कि सरेराह गाली-गलौज करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।

इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं, जहाँ इतनी गंभीर घटना के बाद भी पुलिस ने केवल असंज्ञेय अपराध प्रतिवेदन एनसीआर दर्ज कर पीड़ित को कोर्ट जाने की सलाह देकर अपना पल्ला झाड़ लिया है।

ताम्रपत्र से सम्मानित परिवार की सरेराह बेइज्जती

बताया जाता है कि वार्ड क्रमांक 2, मझौली निवासी सुरेंद्र कुमार कोष्टा, पिता स्वर्गीय गणेश प्रसाद कोष्टा ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को दी शिकायत में बताया कि वे ग्राम मझौली (प.ह.नं. 21) स्थित खसरा नंबर 375 की शासकीय भूमि पर पिछले 15-20 वर्षों से लोहे/टीन का टपरा रखकर दुकान संचालित करते आ रहे थे। ज्ञातव्य हो कि पीड़ित के पिता पूर्व में मीसाबंदी रहे हैं, जिन्हें शासन-प्रशासन द्वारा ताम्रपत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया था। बताया जाता है कि विगत 27 जुलाई को सुबह लगभग 10 बजे जब पीड़ित अपनी दुकान पर काउंटर व हिलिया (टपरा) व्यवस्थित कर रहे थे, तभी अनावेदकों द्वारा पहले ईंट गिराकर काम रोकने का प्रयास किया गया। इसके बाद अनावेदक बसंता सैनी, राकेश सैनी एवं राजीव उर्फ कन्जा सैनी (सभी निवासी वार्ड नं. 9, मझौली) ने एकराय होकर पीड़ित का लोहे व टीन का टपरा उठाकर सड़क किनारे फेंक दिया। जब पीड़ित ने हाथ जोड़कर अपनी रोजी-रोटी का हवाला दिया, तो अनावेदकों ने अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि 'ज़्यादा करोगे तो जान से मार देंगे! इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी मोहल्ले के रोहित कोष्टा एवं अमित कोष्टा बताए गए हैं।

सरकारी पट्टे की जमीन को अवैध रूप से बेचने का आरोप

पीड़ित सुरेंद्र कुमार कोष्टा ने अपनी शिकायत में एक और बड़ा पर्दाफाश करते हुए आरोप लगाया है कि अनावेदकों का मकान जिस शासकीय खसरा नंबर 375 पर बना है, वह भूमि शासन द्वारा पट्टे पर दी गई थी। परंतु, अनावेदकों ने नियमों को ताक पर रखकर उस शासकीय पट्टे की भूमि को अन्य निजी व्यक्तियों को अवैध रूप से बेच दिया है जो कि भू-राजस्व नियमों एवं आपराधिक कानूनों के तहत सीधा अपराध है।

एफआईआर की जगह थमाई एनसीआर की पर्ची

घटना के बाद पीड़ित न्याय की आस में मझौली थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने मामले को महज़ 'जमीनी विवाद' बताकर असंज्ञेय अपराध प्रतिवेदन एनसीआर काट दिया। पुलिस अधिकारियों का तर्क है कि मामला प्रथम दृष्टया असंज्ञेय अपराध श्रेणी का है, इसलिए आवेदक को न्यायालय की शरण में जाने की सलाह दी गई है। हालांकि, स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि सार्वजनिक सड़क पर टपरा फेंकने, गाली-गलौज करने और सरेआम जान से मारने की धमकी देने जैसी दबंगई पर कठोर धाराओं में एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई?

पीड़ित ने की ये प्रमुख मांगें

इस मामले को लेकर पीड़ित ने पुलिस प्रशासन मांग की है कि दबंगई करने वाले तीनों अनावेदकों पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए, एवं पीड़ित की आजीविका के साधन (टपरे व दुकान) को पुनः उसी स्थान पर स्थापित कराया जाए एवं शासकीय पट्टे की भूमि को अवैध रूप से बेचने के मामले की उच्च स्तरीय राजस्व जांच कराकर सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

कटंगी तालाब में मछलियों की मौत से फैला प्रदूषण

कांग्रेस कमेटी और जैन नवयुवक मंडल ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत, कटंगी जबलपुर। नगर के वार्ड नंबर दस में स्थित प्रमुख तालाब में बड़ी संख्या में मछलियों के मरने से उत्पन्न दुर्गंध और बढ़ते प्रदूषण को लेकर नगरवासियों में चिंता का माहौल है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए कांग्रेस कमेटी, कटंगी एवं जैन नवयुवक मंडल ने संयुक्त रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कटंगी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि तालाब में मृत मछलियों के कारण वातावरण दूषित हो रहा है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने आशंका जताई कि यदि शीघ्र सफाई और प्रदूषण नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। नगर कांग्रेस कमेटी एवं जैन नवयुवक मंडल के पदाधिकारियों ने नगर पालिका से मांग की कि तालाब से मृत मछलियों को तत्काल हटाया जाए, तथा मछलियों की मृत्यु के कारणों की जांच कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन सौंपते वक्त नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र शुक्ला, ललित सोनी, मनीष चौरसिया, महेंद्र नेमा, सत्यम नेमा, नितिन सिंह राजपूत और जैन नवयुवक मंडल से संदीप बजाज, रिंकू सिंघई, स्वप्निल जैन, मनोज जैन सिद्धांत जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक नजर में

श्री रमेश व्यास (रम्मू) का निधन

पनागर। प्रताप वार्ड निवासी श्री रमेश व्यास (रम्मू) का 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया, आप सुशील व्यास, रज्जन व्यास, ब्रजेंद्र व्यास (बंटी) के भाई थे। अंतिम संस्कार सुबह 10.30 बजे जगमोहन वार्ड स्थित श्मशानघाट में किया जाएगा

ईरानी अकरकरा की खेती कर कृष्ण कुमार किसानों को दिखा रहे नई राह

कृषि विभाग की टीम ने किया खेतों का निरीक्षण

पाटन, नवभारत। कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न नवाचारों की श्रृंखला में आज विकासखंड पाटन के ग्राम महगवा में कृषि विभाग के मार्गदर्शन में किए गए नवाचार का जायजा और प्रगति लेने पहुंचे विकास खंड के कृषि अधिकारी ने बताया कि यहां के प्रगतिशील कृषक कृष्ण कुमार सिंह लोधी पिछले दो वर्षों से अपने खेतों में परंपरागत फसलों से हटकर ईरानी अकरकरा की सफल खेती कर रहे हैं।

कृषि विभाग की डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सीमा राउत, कृषि विस्तार अधिकारी इशिता श्रीवास्तव एवं देवआनंद सिंह के साथ कृषक कृष्ण कुमार के खेत का निरीक्षण किया और फसल की प्रगति देखी। निरीक्षण के दौरान कृषक कृष्ण कुमार सिंह लोधी ने अन्य किसानों के लिए बताया कि ईरानी अकरकरा एक अत्यंत मूल्यवान औषधीय फसल है।

जड़ी बूटियों और शक्तिवर्धक दवाओं में होता है उपयोग

उन्होंने बताया कि इसका उपयोग मुख्य रूप से जड़ी-बूटियों, दंत मंजन, शक्तिवर्धक दवाओं और आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण में किया जाता है, जिसके कारण बाजार में इसकी मांग हमेशा बनी रहती है। इस फसल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पारंपरिक फसलों की तुलना में पानी की खपत काफी कम होती है और कीट या बीमारियों का प्रकोप भी न के बराबर होता है। उन्होंने बताया कि महज 6 से 8 महीने की इस फसल से किसानों को कम लागत में पारंपरिक खेती की तुलना में कई गुना अधिक मुनाफा प्राप्त होता है।

नवाचार की कृषि अधिकारियों ने की सराहना

निरीक्षण के दौरान मौजूद अन्य क्षेत्रीय किसानों को संबोधित करते हुए कृषि विभाग पाटन की डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने कृषक कृष्ण कुमार के प्रयासों की सराहना की एवं उन्होंने कहा आज के समय में खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए किसानों को लीक से हटकर सोचने की जरूरत है। ईरानी अकरकरा जैसी औषधीय और नकदी फसलों को अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। कृषि विभाग ऐसे सभी नवाचारी किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन और हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

शहीद उधम सिंह के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नवभारत, जबलपुर। अमर शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को भगत सिंह चौक, कटंगा में शहीद भगत सिंह युवा विचार मंच द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान मंच के सचिव डिम्पी बिंद्रा ने कहा कि अमर शहीद सरदार उधम सिंह ने जलियाँवाला बाग नरसंहार के दोषी माइकल ओश्डायर को इंग्लैंड जाकर दंडित कर देशभक्ति और साहस का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया था, जो केवल वही व्यक्ति कर सकता है जिसके हृदय में राष्ट्र के प्रति सच्चा प्रेम और समर्पण की भावना हो। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए समर्पित कर दिया तथा मातृभूमि के लिए बलिदान दिया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अध्यक्ष तजिन्दर सिंह टीटू, सचिव डिम्पी बिंद्रारजिन्दर सिंह छाबड़ा, , पम्मी चड्ढा, गुरुप्रीत सिंह, रंजीत ठाकुर, संजू पाठक, रवि ठाकुर, अशोक राजपूत और राजू हैरी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रगत शैक्षणिक संस्थान में मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

जबलपुर, सिहोरा। प्रगत शैक्षणिक संस्थान (पीएसएम) के ऑडिटोरियम में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व अत्यंत उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों/छात्रों की गरिमामयी मौजूदगी रही। समारोह की शुरुआत में विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां शामिल थीं। इस अवसर पर आयोजित विचार संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भारतीय परंपरा में गुरु के महत्व तथा गुरु-शिष्य संबंध पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण एक दृष्टिबाधित छात्र द्वारा प्रस्तुत किया गया गीत रहा, जिसने सभागार में मौजूद सभी लोगों को भावविभोर कर दिया और पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समारोह में संस्थान की प्राचार्या एफ. इक्का सहित संस्थान के सभी सम्मानित प्राध्यापक, डॉ. रीना जैन, ज्योत्सना दुबे, संजीव अग्रवाल, ललिता सपरा, अर्चना दुबे, डॉ. राजकुमारी दुबे, डॉ. आरएन. पटेल, कु. रिनू मोर, डॉ. रीना जैन, डॉ. ज्योति खरे, विनोद घोषी, केशव नन्दन पटैरिया, मेघना सिंह, अल्पना खरे, विनीत सिंह चौहान, प्रमोद श्रीवास्तव, मृदुला शुक्ला, डॉ. सारिका चौकस, शेख मुनीर, उपस्थित रहे।

अध्यात्म, संस्कृति और ओजस्वी विचारों से गूंज उठा संस्थान

पीएसएम जबलपुर ने मनाया 138वां स्थापना दिवस

जबलपुर/सिहोरा, नवभारत। इतिहास केवल बीते हुए समय का दस्तावेज नहीं, बल्कि वर्तमान को दिशा देने और भविष्य को गढ़ने वाली प्रेरणा है।' इसी पावन सोच और गौरवमयी इतिहास के साथ प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान पीएसएम, जबलपुर का 138वां स्थापना दिवस समारोह अत्यंत गरिमामय, उल्लास पूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात

संस्थान के प्राध्यापकों द्वारा मंच पर एक साथ बैठकर रामचरितमानस के सुंदरकांड का संगीतमय वाचन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि, पूर्व प्राचार्य एवं वर्तमान संयुक्त संचालक डॉ. राममनोहर तिवारी ने संस्थान के निरंतर विकास के लिए प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकों के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं हारमोनियम बजाते हुए 'ये माया तेरी बहुत कठिन है राम' लोकगीत का अत्यंत सुमधुर गायन प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

सुझाव और अनुभव किया साझा-समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की प्राचार्य श्रीमती एफ. इक्का ने अपने स्नेहमयी मार्गदर्शन और आशीर्वचनों से छात्राध्यापकों को प्रेरित किया। वहीं प्रोफेसर आर. एन. पटेल ने 138 वर्षों के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध परंपराओं और ऐतिहासिक यात्रा से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर विनोद कुमार घोषी द्वारा किया गया। इस मौके पर पी.एस.एम. ऑडिटोरियम के मंच पर बी.एड., एम.एड. के नवागत (फ्रेसर) एवं वरिष्ठ छात्राध्यापकों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एम.एड. छात्राध्यापक एवं 'लीडर' प्रदीप कुमार तिवारी की सक्रिय सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

ये रहे उपस्थिति-समारोह में संस्थान की प्राचार्या एफ. इक्का सहित प्राध्यापक, डॉ. रीना जैन, ज्योत्सना दुबे, संजीव अग्रवाल, श्रीमती ललिता सपरा, श्रीमती अर्चना दुबे, डॉ. राजकुमारी दुबे, डॉ. आरएन. पटेल, कु. रिनू मोर, डॉ. रीना जैन, डॉ. ज्योति खरे, विनोद घोषी, अकेशव नन्दन पटैरिया, मेघना सिंह, अल्पना खरे, विनीत सिंह चौहान, प्रमोद श्रीवास्तव, मृदुला शुक्ला, डॉ. सारिका चौकसे शेख मुनीर सहित फ्रेशर छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

छात्रों के लिए उपयोगी साबित हुआ ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान

सिहोरा, नवभारत। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल महाविद्यालय, सिहोरा में संस्थागत नवाचार परिषद के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का सीधा प्रसारण कंप्यूटर प्रयोगशाला में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को दिखाया गया।

कार्यक्रम का विषय 'उच्च शिक्षण संस्थानों में वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार को सुदृढ़

बनाना : एएनआरएफ की दृष्टि, प्राथमिकताएं एवं सहयोग तंत्र' था। इस अवसर पर अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. शिवकुमार कल्याणरामन ने उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एएनआरएफ. की भूमिका, अनुसंधान के लिए उपलब्ध सहयोग एवं वित्तीय सहायता, नवाचार संस्कृति के विकास, उद्योग-शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग, बौद्धिक संपदा अधिकार, स्टार्टअप एवं उद्यमिता से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान के महत्व, गुणवत्तापूर्ण शोध, नवीन तकनीकों के विकास तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें नवाचार आधारित सोच विकसित करने तथा भविष्य में अनुसंधान एवं स्टार्टअप गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा ऑनलाइन व्याख्यान को ध्यानपूर्वक देखा। कार्यक्रम सभी के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी रहा।

सहायक शिक्षक संध्या परोहा को दी गई विदाई

पनागर, नवभारत। शासकीय प्राथमिक शाला महगवां टगर संकुल केंद्र कुशनेर पनागर में पदस्थ संध्या परोहा 37 वर्ष की शिक्षकीय सेवा के बाद सेवा निवृत हुईं। इस अवसर पर विदाई समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में विवेक पटेल जिला पंचायत उपाध्यक्ष रहे, पूर्व संकुल प्राचार्य जगत सिंह मार्को, वर्तमान संकुल प्राचार्य सुनीता गुप्ता, सांदीपनि विद्यालय रैपुरा के प्राचार्य रत्नेश शर्मा, इंद्राणा विद्यालय से सतीश तिवारी, चेतना सिंह तथा जनपद सदस्य राजेंद्र पटेल

मंच पर अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विदाई समारोह में सभी विद्यालयों से पहुंचे शिक्षक रेखा मिश्रा, रमा सैनी, लक्ष्मीकांत श्रीवास्तव, मीना कठौते, भागचंद काछी, हेमराज दुबे, मंगेश पटेल, शैलेश मिश्रा, रामविशाल दाहिया, ब्रजेश वर्मा, मनोरमा जैन, ज्योति कोल, भीमसेन मार्को, सविता रौतिया और आरती लोधी द्वारा स्वागत किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन सुनीता गुप्ता ने किया।

स्वच्छता रैली निकालकर नागरिकों को किया जागरूक

पाटन, नवभारत। शुक्रवार को नगर नगर परिषद कार्यालय के सभाकक्ष में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के वर्णित प्रावधानों को जमीन स्तर पर लागू करने हेतु द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण अंतर्गत निकाय के समस्त सफाई कर्मियों एवं सफाई मित्रों समस्त ऑगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं, आशा दीदी, स्व-सहायता समूह की महिलाओं, स्वच्छता मार्शल, रहवासी संघ के प्रतिनिधि, शासकीय विद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को निकाय अध्यक्ष द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। कार्यशाला समापन के उपरांत नगर के मुख्य मार्गों से स्वच्छता संबंधी नारे लगाते हुये जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष आचार्य जगेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष शक्ति देवकुमार यादव, पार्षदगण-सत्यम मेहरा, दीपक जैन, प्रदीप पटेल, कैलाश पाठक, आदित्य नामदेव, गनपत बर्मन, सिद्धांत नायक सहित धरमचंद जैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान, नगर के गणमान्य नागरिक, कार्यालयीन कर्मचारी सहित सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पौधों का रोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पनागर, नवभारत। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत पड़रिया में अभिषेक विजय यादव मित्रमंडली द्वारा वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत परिसर, आंगनवाड़ी केंद्र, हनुमान मंदिर परिसर एवं मुक्तिधाम रोड सहित विभिन्न स्थानों पर छायादार एवं फलदार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अभिषेक विजय यादव, सरपंच रजनी दिलीप रजक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कमलेश यादव, सहित मित्रमंडली के सदस्यों सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आरोप | शासकीय चारागाह भूमि के नामांतरण और अवैध कब्जे के खेल में अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

नगर परिषद मझौली के जिम्मेदार कटघरे में

मझौली, नवभारत , जबलपुर। शासकीय चारागाह की करोड़ों की कीमती भूमि पर हुए अवैध कब्जे और निर्माण के मामले में अब नगर परिषद मझौली के अधिकारी और कर्मचारी सीधे कटघरे में आ खड़े हुए हैं। एक तरफ जहां अनुविभागीय अधिकारी न्यायालय सिहोरा ने खसरा नंबर 382 (सरकारी चारागाह मद) पर किए गए अवैध टीन शेड निर्माण को बेदखल करने के आदेश को बरकरार रखा है, वहीं दूसरी तरफ यह गंभीर आरोप सामने आ रहा है कि नगर परिषद के जिम्मेदार कर्मचारियों की कथित मिलीभगत और संरक्षण के बिना इतना बड़ा खेल संभव नहीं था।

स्थानीय स्तर पर आरोप लग रहे हैं कि शासकीय चारागाह मद की जमीनों का नियम विरुद्ध तरीके से नामांतरण, रसीदें काटना और

दस्तावेजी फेरबदल करने में नगर परिषद कार्यालय के कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों की भूमिका संदेहास्पद रही है।

क्या है पूरा मामला ?

बताया जाता है कि नगर परिषद मझौली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मझौली के खसरा नंबर 382 (रकबा 0.5870 हेक्टेयर जो कि राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय चारागाह के रूप में दर्ज है, उस पर लगभग 5,400 वर्गफुट जमीन (36 X100 एवं 18 X 100 वर्गफुट) पर अवैध रूप से टीन शेड और टपरा बना लिया गया। मामले में तहसीलदार मझौली ने धारा 248 के तहत बेदखली का आदेश दिया था, जिसे न्यायालय सिहोरा (रा.प्र.क्र. 0233/अपील/2025-26) ने 16 जून 2026 को पूरी तरह सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी।

नगर परिषद की भूमिका पर उठ रहे 3 तीखे सवाल

अपीलकर्ताओं का तर्क था कि वे संपत्ति कर जमा कर रहे हैं। सवाल यह उठता है कि जब जमीन राजस्व रिकॉर्ड में 'शासकीय चारागाह' दर्ज थी, तो नगर परिषद के कर्मचारियों ने किस आधार पर वहां की रसीदें या कर जमा प्रक्रिया को संरक्षण दिया? दूसरा सवाल यह उठता है कि शासकीय मद की भूमि पर बिना विधिक दस्तावेजों के निर्माण होने पर भी नगर परिषद के मैदानी अमले (राजस्व निरीक्षक/सफाई व अतिक्रमण दस्ता) ने समय रहते कोई ठोस नोटिस या कार्रवाई क्यों नहीं की? वहीं स्थानीय नागरिकों और शिकायतकर्ताओं का कहना है कि नगर परिषद कार्यालय में पदस्थ कुछ कर्मचारियों की शह पर ही सरकारी जमीनों का नामांतरण और खरीद-बिक्री के नाम पर अवैध सौदेबाजी को बढ़ावा मिलता है।

उच्च स्तरीय जांच और विभागीय कार्रवाई की मांग

एसडीएम कोर्ट के फैसले के बाद अब 5,400 वर्गफुट चारागाह भूमि से अवैध निर्माण ढहाने के साथ-साथ यह मांग भी जोर पकड़ रही है कि इस पूरे घटनाक्रम में शामिल नगर परिषद मझौली के संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की पहचान कर उन पर प्रशासनिक व विभागीय जांच बैठाई जाए। तथा शासकीय भूमियों के नामांतरण व टैक्स रिकॉर्ड्स का सत्यापन कराया जाए ताकि भविष्य में चारागाह व सार्वजनिक संपत्तियों को खुर्द-बुर्द होने से बचाया जा सके।